6. अवतरण चिह्न या उद्धरण चिह्न – 2 प्रकार

1. ' इकहरा चिह्न '
2. " दुहरा चिह्न "

① इनका प्रयोग किसी के कथन, पंक्ति को ज्यों का त्यों उतारने के लिए किया जाता है।

② जिस पंक्ति या सूक्ति को हम उदाहरण के रूप में प्रयोग में लाये।

चिह्न ✓ = चिहन ✗

1. इकहरा चिह्न – ' '

1. अज्ञात कथन के साथ –

जैसे – 'परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।'

2. किसी व्यक्ति, प्राणी के उपनाम के साथ –

जैसे – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' छायावाद के कवि थे।

3. किसी व्यक्ति, प्राणी की उपाधि के साथ –

जैसे – समुद्रगुप्त को भारत का 'नेपोलियन' कहा जाता है।

4. किसी कवि, लेखक, कविता, रचना, पुस्तक, संस्था, संगठन के नाम के साथ

जैसे – प्रेमचन्द ने 'गोदान' उपन्यास लिखा।

2. दुहरा चिह्न — " —— "

1. किसी प्रसिद्ध व्यक्ति, नेता, महापुरुष के कथन के साथ —

जैसे — "वेदों की ओर लौटो।" दयानन्द सरस्वती

2. किसी प्रसिद्ध पुस्तक, रचना, कविता की महत्वपूर्ण पंक्ति के साथ —

जैसे — "सत्यमेव जयते" ⇒ मुण्डकोपनिषद्

3. सभी ध्येय वाक्य, नारे, महत्वपूर्ण सूक्ति के साथ —

"दिल्ली चलो" "तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा"

7. लोप चिह्न – xxx , ००० , ...

जहाँ अश्लील शब्द , गाली , अमर्यादित शब्द , असभ्य शब्द के स्थान लोप चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

जैसे – तू xxx है। तू ... है।

8. लाघव चिह्न – डॉ० , प्रो० , उ०प्र० , म०प्र० , बी० ए०

किसी शब्द को संक्षिप्त रूप में लिखने के लिए लाघव चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे – एम०ए० दि०पु० उ०प्र०पु०

9. कोष्ठक चिह्न - (a) [A], (i) [1]

वाक्य में शब्दार्थ बताने के लिए प्रयुक्त होता है।

जैसे - मैंने रात को मयंक (चन्द्रमा) देखा।

10. तुल्यता चिह्न - =

कठिन शब्द का सरल अर्थ बताने के लिए तुल्यता चिह्न का प्रयोग किया जाता है जैसे - सन्निधि = अत्यन्त निकटता

11. पुनरावृत्ति या आवृत्ति चिह्न -   ,,

महावीर प्रसाद द्विवेदी

हजारी   ,,   ,,

12. रेखांकन या रेखांकित चिह्न या अधोरेखा चिह्न - ______

भारत की राजधानी दिल्ली है।

13. शिरोरेखा चिह्न – ——

वर्णों का परस्पर जोड़ने के लिए – क म , ल = कमल

14. त्रुटि पद / काकपद / हंस पद / विस्मरण चिह्न / भूल सुधार चिह्न – ^

राजा दशरथ के चार ^ थे। (पुत्र)

^ , ⅄

15. सम्बोधन चिह्न – ! या विस्मयबोधक चिह्न – !

① जहाँ मनोविकार , मनोभाव को प्रकट किया जाये।

② जहाँ आश्चर्य , हर्ष , शोक , ग्लानि , घृणा , स्वीकृति , सम्बोधन के लिए विस्मयबोधक चिह्न (!) का प्रयोग किया जाता है।

शाबाश! वाह! आहा! ठीक-ठीक! हाय-हाय!

हे! अरे! हैलो! अजी! अच्छा-अच्छा! हाँ-हूँ!

16. प्रश्नवाचक चिह्न – ?

जहाँ वाक्य में प्रश्न वाचक शब्द क्या, कब, कौन, कैसे, कहाँ, कितने का प्रयोग हो तो वाक्य के अन्त में प्रश्नवाचक चिह्न जरूर प्रयोग किया जायेगा।

आप जयपुर कब जाओगे ?

17. हलन्त चिह्न – ् (i) व्यंजन को स्वर रहित करने के लिए।

(ii) आधे व्यंजन के स्थान।

वरन्, मूल्यवान्, विराट्, सम्राट्, परिषद्, जगत् = शुद्ध वर्तनी

14. अनुस्वार चिह्न — ं

पाँच अनुनासिक वर्ण के स्थान पर प्रयुक्त होता है।

ङ् = गंगा = गङ्गा

ञ् = पतंजलि = पतञ्जलि

ण् = पंडित = पण्डित

न् = संदेह = सन्देह

म् = स्वयं = स्वयम्

19. विसर्ग चिह्न — ः प्रातः, प्रायः, पुनः, अतः।

20. अर्द्ध चन्द्र बिन्दु चिह्न — ँ आँख, दाँत, मुँह, गाँव, चाँद

21. अर्द्ध चन्द्र चिह्न — ॅ कॉलेज, ऑफिस, हॉफ, डॉक्टर

22. नुक्ता या बिन्दुतल — क़मीना, ख़याल, ग़ुब्बार, नज़र, सफ़र

क़, ख़, ग़, ज़, फ़ = 5 वर्ण

23. रिक्त स्थान चिह्न — _ _ _ _ _